श्री पियूष श्रीवास्तव, भारतीय राजदूत, बहरीन का भाषण
हिंदी दिवस - 2022
भारतीय राजदूतावास, बहरीन
[शनिवार ; 17 सितम्बर 2022; 1830 अपरान्ह]

Shri Rajendra Gupta,
भारतीय फिल्म, टेलीविजन और थिएटर अभिनेता और थिएटर निर्देशक;

Shri Atul Tiwari, थिएटर निर्देशक, लेखक और अभिनेता;

Mr. Nabeel Ajoor, Director, M/s. A.R. & E.M Ajoor & Co.;

Shri Anil Pachlangia, अध्यक्ष, प्रथम हिंदी टोस्टमास्टर्स समूह;

बहरीन इंडियन स्कूलों के प्रधानाध्यापक एवं प्रधानाध्यापिकाऐं, अध्यापकगण,
प्रथम हिंदी टोस्टमास्टर्स समूह के सदस्य और अतिथिगण;

और विश्व हिंदी दिवस के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता
छात्र - छात्राओं को मेरा नमस्कार एवं हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

हिंदी दिवस के अवसर पर आप सबका स्वागत करते हुए मुझे बहुत गर्व और खुशी का आभास हो रहा है। दूतावास में पहली बार हिंदी चौपाल का आयोजन हो रहा है। मैं इस कार्यक्रम के आयोजन में पहल के लिए प्रथम हिंदी टोस्टमास्टर्स की सराहना करना चाहता हूं। भारत के प्रख्यात हिंदी भाषियों की भागीदारी के साथ इस हिंदी चौपाल से हिंदी दिवस मनाने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है।

2. मैं विशेष रूप से भारत से आये हुए भारतीय फिल्म एवं थिएटर जगत की दो distinguished personalities, श्री राजेंद्र गुप्ता जी और श्री अतुल तिवारी जी का स्वागत करता हूँ जिन्होंने हिंदी भाषा के विकास और संवर्धन में भी विशेष योगदान दिया है, और हमने अभी Mr. Nabeel Ajoor को हिंदी में बोलते सुना। यह भारत और बहरीन के सुदृढ और मधुर सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है।

3. हिंदी भारत की राजभाषा है। 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए भारत में हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस या राष्ट्रीय हिंदी दिवस मनाया जाता है।

4. भारत विविधताओं से भरा देश है। अलग अलग भाषाएं, बोलियां बोलने वाले, अलग अलग वेश-भूषा, खानपान व संस्कृति के लोग रहते हैं। ये हिंदी भाषा ही है जो देश के सभी लोगों को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी भाषा में सभी भावों को भरने की अद्भुत क्षमता है। भारतीय संस्कृति में हिंदी को मातृ भाषा का दर्जा दिया गया है। हर भारतीय नागरिक के लिए हिंदी दिवस का बेहद खास महत्व है।

5. हिंदी ने भारत को विश्व स्तर पर विशेष सम्मान दिलाया है और इसकी सादगी और संवेदनशीलता हमेशा लोगों को आकर्षित करती है । भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के कई देशों में हिंदी बोली जाती है। हिंदी 1948 से, UNESCO की official language है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2019 में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र समाचार की एक हिंदी वेबसाइट और वर्ष 2018 में हिंदी साप्ताहिक समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरु किया जो विश्व में हिंदी के महत्व को दर्शाता है। यह एक सम्मान की बात है कि हिंदी न केवल भारत की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, अपितु विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी भाषा की सहजता इसे विशिष्ट बनाती है। हम दुनिया के किसी भी कोने में हों, जब हमारे कानों में कहीं से हिंदी के शब्द पड़ते हैं तो एक विशेष स्नेह का भाव हमारे मन में आता है।

6. हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री जी ने अपने सन्देश में कहा-

“आज पूरा देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक क्षेत्र में हम नयी ऊर्जा के साथ नए संकल्प ले रहे हैं, ऐसे में यह सामूहिक प्रयास होना चाहिए की राजभाषा हिंदी को लेकर संविधान द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया जाए। राजभाषा विभाग ने स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली 'कंठस्थ' का निर्माण और विकास किया है जिसमें आज लगभग 22 लाख वाक्य शामिल किये जा चुके है। इस टूल का प्रयोग सुनिश्चित कर सरकारी कार्यालयों में अनुवाद की गति एवम गुणवत्ता बढ़ाई गयी है। राजभाषा विभाग द्वारा जन - साधारण के लिए "लीला हिंदी प्रवाह" मोबाइल app तैयार किया गया है जिसे अपनाकर 14 विभिन्न भाषा-भाषी अपनी-अपनी मातृभाषाओं से नि:शुल्क हिंदी सीख सकते है। राजभाषा विभाग के 'इ-महाशब्दकोश ' में 90 हज़ार शब्द सम्मिलित किये गए है और 'इ-सरल' हिंदी वाक्यकोष में 9 हज़ार वाक्य शामिल है। अमृत महोत्सव के अवसर पर विधि, तकनीकी, स्वास्थय, पत्रकारिता तथा व्यवसाय आदि सहित विभिन्न भारतीय भाषाओँ के प्रचलित शब्दों को शामिल करते हुए हिंदी से

हिंदी 'बृहत शब्दकोष' के निर्माण पर भी काम शुरू किया है और सुलभ सन्दर्भ के लिए एक अच्छे शब्दकोष का सृजन किया जा रहा हैं।"

7. हिंदी को एक सक्षम भाषा बनाने में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। तमाम कोशिशों का नतीजा है कि हिंदी लगातार वैश्विक पटल पर अपनी एक मजबूत पहचान बना रही है। आज हिंदी दिवस के अवसर पर मैं बहरीन में इसके सशक्तिकरण में योगदान देने वाले सभी महानुभावों को नमन करता हूँ और आप सब से यह आवाहन भी करता हूँ कि अपनी मातृभाषा के साथ-साथ हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग कर उनके संरक्षण व संवर्धन में अपना योगदान देने का और राजभाषा हिंदी का उत्तरोत्तर प्रयोग करने का संकल्प लें।

8. हिंदी भाषा के संवर्धन में हिंदी-शिक्षण एक आधार-स्तंभ है और देश-विदेश में हिंदी-शिक्षण के क्षेत्र में नित्य नए प्रयोग हो रहे हैं । मैं सभी इंडियन स्कूल के प्रधानअध्यापकों एवं अध्यापकों को बधाई देना चाहूँगा कि वे हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है। मैं प्रथम हिंदी टोस्टमास्टर्स समूह को इस हिंदी चौपाल के आयोजन और सभी हिंदी उत्साही लोगों को एक साथ मिलाने के लिए बधाई देना चाहता हूं। इस अवसर पर हिन्दी के विकास में योगदान दे रहे सभी भाषाविदों को मेरा हार्दिक अभिनंदन ।

अंत में मैं अपने भाषण की समाप्ति मैथिलि शरण गुप्त जी के शब्दों के साथ करना चाहूंगा-

"**हिंदी उन सभी गुणों से अलंकृत है, जिसके बल पर वह विश्व की साहित्यिक भाषा की अगली श्रेणी में समासीन हो सकती है।"**

धन्यवाद,